सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 282 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 20 नवम्बर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

जो सभी का मित्र होता है वो किसी का मित्र नहीं होता है।

-अरस्तु

दूसरे टेस्ट में गिल के खेलने पर संशय... 7 | महाराष्ट्र में सियासी उतार-चढ़ाव अब... 3 | अखिलेश यादव के भरोसेमंद सिपाही... 2

गांधी मैदान, नीतीश को कमान लेकिन सफर नहीं आसान!

नीतीश ने 10वीं बार ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

» शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत एनडीए के तमाम दिग्गज रहे मौजूद

» सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने ही उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। गांधी मैदान की हवा आज फिर एक पुराने अध्याय की गवाही दे रही थी। एक बार फिर नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मगर यह शपथ किसी जीत का जलसा कम और आने वाले संघर्षों की दस्तक ज्यादा लग रही थी। कहने को वे 10वीं बार मुख्यमंत्री बने हैं। भारत के किसी भी राज्य में इतना लंबा राजनीतिक सफर कम ही राजनीतिक लोगों को नसीब होता है।

लेकिन नीतीश की किस्मत में सिर्फ ताज नहीं अंदर खंजर भी हैं बाहर तलवारें भी और ऊपर तल्ख सवालों की बारिश भी। उन्हें भव्य समारोह में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। आज बीजेपी नेता सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा पिछली सरकार में भी उपमुख्यमंत्री के पद पर ही थे। वहीं लखेंद्र कुमार रौशन, श्रेयसी सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार, संजय कुमार, संजय कुमार सिंह और दीपक प्रकाश के साथ लेसी सिंह, नितिन नबीन, मदन साहनी, राम कृपाल यादव, संतोष कुमार सुमन, सुनील कुमार, मोहम्मद जमा खान, संजय सिंह टाइगर, अरुण शंकर प्रसाद, सुरेंद्र मेहता, नारायण प्रसाद और रमा निषाद ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

शपथ ग्रहण में दिग्गज

गांधी मैदान में आयोजित आज के शपथ ग्रहण के भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह जेपी नड्डा समेत एनडीए के तमाम दिग्गज मौजूद रहे। आज के शपथ ग्रहण समारोह में बीजेपी शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्री यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव, राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मौजूद रहे।

पहले वाली बीजेपी नहीं

बीजेपी भी अब पहले वाली बीजेपी नहीं है। 2015 और 2020 के अनुभवों ने उसे साफ संकेत दे दिया है कि सिर्फ सहयोगी बनकर बिहार में सत्ता का स्वाद नहीं मिलेगा। इस बार उसने नीतिश कुमार को मुख्यमंत्री पद देने का फैसला राजनीतिक शालीनता में नहीं बल्कि रणनीतिक मजबूरी में लिया है ताकि सत्ता की चाबी उसके हाथ में रहे और चेहरे की जिम्मेदारी नीतिश पर। बीजेपी अपने विस्तार मिशन पर है और उसे बिहार में वह स्पेस चाहिए जो जेडीयू की वजह से सालों से सीमित रहे हैं इसलिए पार्टी अब यह संदेश देना चाहती है कि आप कुर्सी ले जाइए कंट्रोल हमारा होगा। संघटन विस्तार, नियुक्तियां, विकास योजनाएं, कानून-व्यवस्था प्रत्येक विषय पर बीजेपीअपनी पकड़ मजबूत करती दिखेगी।

गठबंधन में अविश्वास, कितने दिन टिकेंगे का सवाल!

जेडीयू और बीजेपी का रिश्ता हमेशा से सहयोग भी संदेह भी वाला रहा है। जेडीयू के भीतर डर है कि मोदी-शाह की जोड़ी कहीं बिहार की राजनीति में नीतिश का महत्व धीरे-धीरे कम न कर दे। दूसरी तरफ बीजेपी को भरोसा नहीं कि नीतिश कुमार सत्ता का गणित बदलते ही फिर से कोई यू-टर्न न मार दें। क्योंकि उन्होंने अतीत में यह कई बार किया है। वह एनडीए छोड़ कर महागठबंधन में शामिल हो चुके हैं और महागठबंधन छोड़कर एनडीए में शामिल हो चुके हैं। सवाल यही है कि इस अविश्वास का असर अब सरकार के कामकाज तक पहुचेगा क्या। मंत्रिमंडल गठन के समय कौन-सी कुर्सी किसे मिलेगी किस विभाग पर किसका नियंत्रण होगा नीतियों में किसकी चलेगी यह खींचतान अभी शांत दिख रही है लेकिन अंदर-अंदर ही असली संघर्ष पनप रहा है। सीधे शब्दों में अगर कहा जाए तो सरकार गठित हो गई है गठबंधन अभी भी नहीं हो पाया है।

अखिलेश यादव के भरोसेमंद सिपाही सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन

घोसी से लड़े थे चुनाव भाजपा को दी थी पटखनी, सपा प्रमुख ने जताया शोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घोसी विधानसभा से सपा विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर शोक जताया है और उनकी आत्मा की शांति की कामना की है।

अखिलेश एक्स पर कहा कि घोसी विधानसभा से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह जी का निधन, अत्यंत दु:खद ! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों को यह असीम दु:ख सहने का संबल प्राप्त हो। भावभीनी श्रद्धांजलि! वो काफी समय से बीमार चल रहे थे, जिसके बाद उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। सुधाकर सिंह यूपी की घोसी सीट से सपा के विधायक थे। पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर उनके निधन की जानकारी दी हैं। सपा विधायक सुधाकर सिंह (60 साल) काफी समय से बीमार थे लेकिन, दो दिन पहले उन्हें सीने में दर्द की शिकायत के बाद लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उनका निधन

हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी मेदांता अस्पताल पहुंचे और उनके परिजनों से मुलाक़ात की है। सुधाकर सिंह ने साल 2023 में घोसी उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान को 50 हजार वोटो से चुनाव हराया था, जिसके बाद वो काफी सुर्खियों में आ गए थे. सियासी ज़मीन पर उनकी अच्छी खासी पकड़ थी। सुधाकर सिंह अपनी बेबाकी और हाजिर जवाबी के साथ जनता के बीच गहरी पैठ वाले नेता माने जाते थे। सुधाकर सिंह सपा के क़द्दावर नेता माने जाते थे। साल 1996 में उन्होंने नत्थुपुर विधानसभा सीट से चुनाव जीता था। साल 2012 में इस सीट को घोसी के नाम से जाना जाने लगा. साल 2012 में भी सुधाकर सिंह ने इस सीट से जीत हासिल की लेकिन, 2017 विधानसभा चुनाव में मोदी लहर में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। साल 2022 में सपा ने उनका टिकट काट दिया था जिसके बाद उन्होंने खुलकर सपा का विरोध किया। हालांकि 2023 में जब उपचुनाव हुए तो वो दारा सिंह चौहान को हराकर विधायक बन गए थे।

सपा नेताओं के आपत्तिजनक फोटो को लेकर कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

एक पत्रिका में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, शिवपाल यादव, रामगोपाल यादव, स्व. मुलायम सिंह यादव और स्व. अमर सिंह के आपत्तिजनक चित्र प्रकाशित करने के विरोध में बुधवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। प्रदर्शनकारियों ने हजरतगंज चौराहे पर पत्रिका की प्रतियां फूंककर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक हुई। पुलिस ने सभी को जबरन गाड़ी में बैठाकर ईको गार्डन भेज दिया। छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा ने कहा कि सपा नेताओं को निशाना बनाकर लगातार उनके खिलाफ नकारात्मक माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने पत्रिका के प्रबंधन से माफी मांगने की मांग की। प्रदर्शन में मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा, युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गिरी, लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष रामकरन सिंह ने कहा कि सपा नेताओं के दुष्प्रचार के खिलाफ विरोध जारी रहेगा।

सपा ने 112309 बीएलए नामित किए

यूपी के निर्वाचन आयोग के सीईओ ने कहा कि अब तक मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक दलों ने 385799 बीएलए नियुक्त किए हैं। इसमें सपा ने 112309, भाजपा ने 156015, बसपा ने 100169, कांग्रेस ने 16538, अपना दल (एस) ने 713, सीपीआई (एम) ने 55 बीएलए नियुक्त किए हैं। आम आदमी पार्टी और एनपीपी (नेशनल पीपुल्स पार्टी) ने अब तक एक भी बीएलए नहीं नियुक्त किए हैं। उन्होंने सभी दलों से प्रत्येक बूथ पर अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने का अनुरोध किया। बीएलए अधिकतम 50 गणना प्रपत्र प्रतिदिन भरवाकर बीएलओ को दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि मतदाताओं की सहायता के लिए जिला और विधानसभा स्तर पर हेल्प डेस्क बनाई गई हैं। जिला संपर्क केंद्रों (डीसीसी) के फोन नंबर 1950 और बुक अ कॉल विद बीएलओ के जरिये बीएलओं से संपर्क कर समस्याएं दर्ज कराई जा सकती है।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय हो: उमर अब्दुल्ला

» विशेष दर्जा खत्म करने से भी नहीं बंद हुआ रक्तपात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने से केंद्र शासित प्रदेश में रक्तपात बंद नहीं हुआ और सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में संवाददाताओं से कहा, हम चाहते हैं कि यह (हिंसा का दौर) रुके।

जम्मू-कश्मीर, खासकर कश्मीर, पिछले 30 से 35 साल में बहुत रक्तपात देख चुका है। हमें बताया गया था कि अब ऐसा नहीं होगा और 2019 के बाद यह दौर खत्म हो जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को निरस्त कर दिया था, जो जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देता था। साथ ही, तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को भी विभाजित कर दिया गया तथा दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में तब्दील कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों को

जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, आपको (केंद्र सरकार को) हमारी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों से पूछना होगा कि यह (हिंसा) क्यों नहीं रुकी। यह जिम्मेदारी हमारे हाथ में नहीं है। अब्दुल्ला ने सुरक्षा चिंताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि कहीं-कहीं हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने दिल्ली में लाल किला के पास हाल में हुए कार विस्फोट और शुक्रवार को नौगाम थाने में हुए दुर्घटनावश विस्फोट का जिक्र करते हुए कहा, अगर दिल्ली में बम नहीं फट रहा तो वह यहां फट रहा है। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि ऐसी घटनाओं में निर्दोष लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह मंगलवार को शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए पांच स्थानों पर गए थे और बुधवार को दो अन्य स्थानों पर जाने वाले हैं।

मैं अभी सीएम बना रहूंगा: सिद्धरमैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का संकेत देते हुए सिद्धरमैया ने बुधवार को कहा कि वह अगले साल अपना रिकॉर्ड 17वां बजट पेश करेंगे। मुख्यमंत्री के साथ ही वित्त विभाग की भी जिम्मेदारी संभाल रहे सिद्धरमैया ने मार्च में अपना 16वां बजट पेश किया था। वह एलजी हवानूर द्वारा प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने की स्वर्ण जयंती पर आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे।

सिद्धरमैया ने कहा, ''जब मैं पहली बार वित्त मंत्री बना था, तो एक अखबार ने लिखा था, यह सिद्धरमैया सौ भेड़ें भी नहीं गिन सकता, वह कर्नाटक के वित्त मंत्री के रूप में कैसे काम करेगा - मैंने इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। मैंने 16 बजट पेश किए हैं और अब 17वां बजट पेश करूंगा।'अगले साल मार्च में 2026-27 का बजट प्रस्तुत किये जाने की संभावना है और इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। सिद्धरमैया की यह टिप्पणी राज्य में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच आई है। कर्नाटक में नवंबर में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें हैं, जिसे कुछ लोग 'नवंबर क्रांति' के रूप में संदर्भित कर रहे हैं।

तेलंगाना में साड़ी पर बवाल

» 1 करोड़ महिलाओं को बांटी जाएगी साड़ी, भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना भाजपा ने रेवंत रेड्डी सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में राज्य भर की महिलाओं को एक करोड़ साड़ियाँ वितरित करने के फैसले का मज़ाक उड़ाया। आज से शुरू होने वाला यह वितरण कार्यक्रम 8 दिसंबर को समाप्त होगा, जो सोनिया गांधी के जन्मदिन से एक दिन पहले है। भाजपा ने इस समय को राजनीतिक रूप से प्रेरित और स्पष्ट रूप से चापलूसीपूर्ण बताया।

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एनवी सुभाष ने कहा कि यह कदम भाजपा की सफल महिला-केंद्रित पहलों की चुनावी नकल के अलावा और कुछ नहीं है। समंदर किनारे हुआ डरावना अनुभव! वीडियो देख कर आप भी चौंक जायेंगे! उन्होंने कहा कि लगता है कांग्रेस ने हमसे सीख ली है, लेकिन जैसा कि कहावत है, नकल मरने के लिए अकाल चाहिए और आगे कहा कि अगर यह रेवंत द्वारा वंशवाद को खुश करने की कोशिश नहीं है, तो और क्या है? सुभाष ने कहा कि दोनों पार्टियों के बीच बुनियादी अंतर यह है कि जहाँ भाजपा

महिलाओं को मातृत्व और गरिमा की प्रतिमूर्ति के रूप में सम्मान देती है, जो भारत के सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप है, वहीं कांग्रेस उन्हें केवल एक सुविधाजनक वोट बैंक के रूप में देखती है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि भाजपा मध्य प्रदेश में लाडली बहना योजना, महाराष्ट्र में इसी तरह के कार्यक्रम और अब बिहार में कल्याणकारी पहल जैसी ऐतिहासिक पहलों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में अग्रणी रही है। उन्होंने कहा कि राज्यों की महिलाएँ वास्तविक सशक्तिकरण के लिए केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर भरोसा करती हैं। यहाँ तक कि अल्पसंख्यक महिलाएँ भी भाजपा शासन में उन्हें मिले सम्मान और अधिकारों को स्वीकार करती हैं।

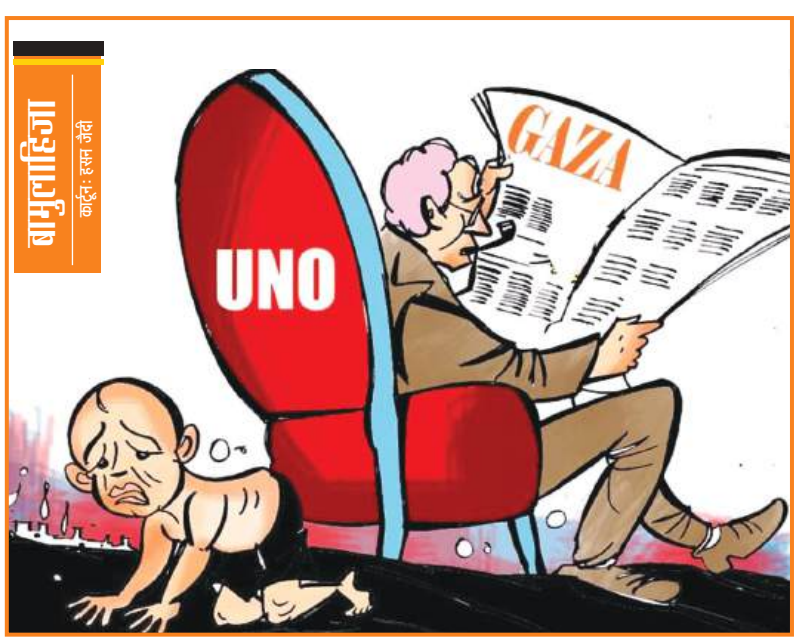

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव से पहले तनातनी बढ़ी

» कांग्रेस की धमकी के बाद राज ठाकरे पर सपा का वार

» अबू आजमी ने कहा, जो मनसे के साथ मिलकर लड़ेगा वह हारेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के बीच घमासान तेज हो गया है। महायुति ने मुंबई चुनाव साथ लड़ने का ऐलान किया है, लेकिन विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी में मनसे को लेकर दरार पड़ती दिख रही है।

कांग्रेस राज ठाकरे की वजह से उद्धव ठाकरे को छोड़ने की धमकी दे रही है। इस सब के बीच समाजवादी पार्टी के नेता और मुंबई की मानखुद शिवाजीनगर सीट से

विधायक अबू आसिम आजमी ने कहा है कि जो भी पार्टी मनसे से हाथ मिलाएगी उसे चुनावी हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने ने राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्रनवनिर्माण सेना (मनसे) पर उत्तर भारतीयों का अपमान करने का आरोप लगाया है। समाजवादी पार्टी (सपा) ने घोषणा की कि वह विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन से बाहर हो जाएगी और मुंबई तथा महाराष्ट्र में अन्य जगहों पर आगामी स्थानीय निकाय चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। सपा नेता अबू आसिम आजमी ने बताया कि यह फैसला एमवीए के प्रमुख घटक कांग्रेस द्वारा बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने के फैसले के बाद लिया गया है। आजमी ने कांग्रेस से आत्मचिंतन करने का आह्वान करते हुए कहा कि कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टी केवल लेना चाहती है, देना नहीं। वे हमें गठबंधन की बैठकों के लिए नहीं बुलाते। सपा नेता ने बताया कि शिवसेना (उबाठा) के मुखपत्र सामना में भी बिहार में निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद खुद को राष्ट्रीय पार्टी के रूप में पेश करने की कोशिश के लिए कांग्रेस की आलोचना की गई है।क मुंबई में बीएमसी चुनाव 31 जनवरी, 2026 से पहले होने हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को यह डेडलाइन दी है।

महाराष्ट्र में सियासी उतार-चढ़ाव अब आड़े आएंगे निकाय चुनाव

भाजपा व शिवसेना में मतभेद सुलझाने का दावा

» महायुति व महाविकास अघाड़ी की पूरी तैयारी

» कांग्रेस ने भी एकजुटता दिखाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बिहार में बड़ी ठसक से अपनी सरकार बनाने का दंभ भरने वाली राजग को लगता है महाराष्ट्र में झटका लगने वाला है। वहां निकाय चुनाव होने हैं, पर भाजपा के सहयोगियों की त्यौरियां अभी से चढ़ने लगी है। उधर अहाविकास अघाड़ि किसी भी कीमत पर महायुति को रोकने की जुगत में लग गई है। भाजपा ने इस उथल-पुथल को भांपते हुए अपने महाराष्ट्र मिशन को आगे बढ़ाने की तैयारियां तेज कर दी हैं। भाजपा का स्पष्ट लक्ष्य है-बीएमसी पर कब्जा और महायुति की पकड़ को राज्य के हर स्तर पर मजबूत बनाना।

महाराष्ट्र की राजनीति इस समय स्थानीय निकाय चुनावों की आहट के साथ एक नए मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। जहां सत्तारुढ़ महायुति गठबंधन अपने संगठनात्मक विस्तार और रणनीतिक बढ़त के साथ आगे बढ़ता दिख रहा है, वहीं विपक्षी महा विकास आघाड़ी के भीतर मतभेद गहराने लगे हैं। काँग्रेस द्वारा बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव अकेले लड़ने के निर्णय ने न केवल की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि यह भाजपा के लिए भी एक अप्रत्यक्ष अवसर बनकर उभरा है।

एकनाथ शिंदे है नाराज

उप मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के मंत्रियों की नाराजगी की वजह सामने आ गई है। इसी का हल निकालते हुए शिवसेना और बीजेपी के बीच एक बड़ा फैसला भी हुआ है। दरअसल, बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने एकनाथ शिंदे को आश्वासन दिया है कि उनकी पार्टी का कोई भी नेता और कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल नहीं होगा। शिवसेना और बीजेपी के बीच चल रहे अनबन के बीच यह बड़ी खबर आ रही है कि बीजेपी की ओर से दावा किया गया है कि शिवसेना के किसी भी कार्यकर्ता को बीजेपी में शामिल नहीं किया जाएगा। इस मुद्दे पर अगले दो दिनों में शिवसेना और बीजेपी के सीनियर नेताओं की बैठक भी होगी।

2024 के बाद की राजनीति की दिशा तय करने वाला परीक्षण

बहरहाल, महाराष्ट्र की स्थानीय निकाय चुनाव सिर्फ नगरपालिका या पंचायत का चुनाव नहीं, बल्कि 2024 के बाद की राजनीति की दिशा तय करने वाला परीक्षण है। भाजपा जहां सशक्त, आत्मविश्वासी और संगठित दिख रही है, वहीं एमवीए अभी आंतरिक मतभेदों और वैचारिक असमंजस के बीच फंसी प्रतीत होती है। कांग्रेस का यह 'स्वतंत्र अभियान' क्या उसे नई ऊर्जा देगा या उसे और हाशिये पर ले जाएगा, यह तो चुनाव बताएंगे। लेकिन इतना तय है कि महाराष्ट्र की राजनीति इस बार सिर्फ मतदान से नहीं, बल्कि 'तालमेल बनाम स्वतंत्र पहचान' की लड़ाई से तय होगी। राजनीति की इस शतरंज में, अकेले चलना साहस हो सकता है— लेकिन जीत का रास्ता हमेशा रणनीति से होकर गुजरता है।

देवेंद्र फडणवीस ने दिया आश्वासन

देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ शिंदे को दिया आश्वासन महाराष्ट्र निकाय चुनाव से पहले होने वाली इस बैठक में इस बात पर चर्चा की जाएगी कि महायुति में किस-किस जिले में टकराव है और इसका समाधान कैसे निकाला जाए। दोनों नेताओं ने एक दूसरे को आश्वासन दिया है कि चुनाव के समय युती धर्म दोनों दलों की ओर से निभाया जाएगा। बता दें, एकनाथ शिंदे के गढ़ माने जाने वाले ठाणे, कल्याण डोबिंवली, पालघर से कई कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल होने की योजना बना रहे थे। इसी नाराजी क लेकर एकनाथ शिंदे के मंत्रियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की कैबिनेट मीटिंग का बहिष्कार किया था। जब कैबिनेट की बैठक चल रही थी, तब शिवसेना के मंत्री मीटिंग रूम में न पहुंचकर सीएम फडणवीस के दफ्तर में बैठे रहे। केवल एकनाथ शिंदे की मीटिंग में पहुंचे। इसके बाद शिवसेना मंत्रियों ने सीएम फडणवीस से मुलाकात की और अपनी नाराजगी की वजह बताई। मीटिंग में शामिल न होने के बाद एकनाथ शिंदे के मंत्री मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिले और कहा कि वे इस बात से नाराज हैं कि शिवसेना नेताओं को बीजेपी में शामिल किया जा रहा है। इसपर सीएम फडणवीस ने समझाया कि उल्हासनगर में शुरुआत तो शिवसेना ने ही की थी। अगर शिंदे गुट करे तो सही और बीजेपी करे तो गलत, यह कैसे संभव है? इसके बाद सीएम फडणवीस ने स्पष्ट रूप से कहा कि अब से एक दूसरे के कार्यकर्ताओं को दोनों ही दलों में एंट्री नहीं दी जाएगी, लेकिन इस नियम का पालन दोनों पार्टियों को करना होगा. इस बात पर शिवसेना और बीजेपी में सहमति बनी है।

भाजपा-शिवसेना-राकांपा मिलकर लड़ेंगे बीएमसी चुनाव

उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की बढ़ती नजदीकियों से गठबंधन में असहजता

एक तरफ एमवीए के घटक दल एकजुटता की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे की बढ़ती नजदीकियों ने गठबंधन में असहजता पैदा कर दी है। दोनों चचेरे भाइयों के संभावित राजनीतिक पुनर्मिलन की अटकलों ने कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) दोनों को असमंजस में डाल दिया है। वहीं, भाजपा ने इस उथल-पुथल को भांपते हुए अपने महाराष्ट्र मिशन को आगे बढ़ाने

की तैयारियां तेज कर दी हैं। भाजपा का स्पष्ट लक्ष्य है— बीएमसी पर कब्जा और महायुति की पकड़ को राज्य के हर स्तर पर मजबूत बनाना। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस के अलग लड़ने के फैसले को मामूली बताते हुए यह दावा किया कि विपक्ष अगर एकजुट होकर भी चुनाव लड़े, तो भी परिणाम विशेष तौर पर प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व, विशेषकर राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब तक कांग्रेस जमीनी मुद्दों से नहीं जुड़ेगी, उसका भविष्य धुंधला ही रहेगा। देखा जाये तो बिहार में भाजपा की हालिया जीत ने पार्टी का उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ाया है। भाजपा की रणनीति साफ है— स्थानीय मुद्दों, संगठनात्मक मजबूती और गठबंधन की तकनीकी एकजुटता के दम पर BMC समेत राज्यभर की नगरपालिकाओं, नगर परिषदों और जिला परिषदों पर कब्जा जमाना। उधर, एमवीए लगातार यह संदेश दे रहा है कि स्थानीय निकाय चुनावों में एकजुट होकर लड़ना चाहिए, लेकिन गठबंधन की राजनीति सिर्फ सिद्धांत नहीं, व्यावहारिक परिस्थिति पर भी आधारित होती है। कांग्रेस का अलग रास्ता चुनना, शिवसेना (यूबीटी) की एमएनएस के निकटता और एनसीपी की रणनीतिक चुप्पी— ये सब संकेत दे रहे हैं कि एमवीए अभी भी परिपक्व राजनीतिक समन्वय तक नहीं पहुंचा है।

मुंबई कांग्रेस का बीएमसी चुनाव अपनी ताकत पर लड़ने का प्रस्ताव

कांग्रस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला ने साफ किया है कि मुंबई कांग्रेस ने बीएमसी चुनाव अपनी ताकत पर लड़ने का प्रस्ताव रखा था, जिसे मंजूरी दे दी गई है। उनके अनुसार, लोकसभा और विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने समझौता किया, लेकिन इस बार स्थानीय स्तर पर कांग्रेस अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को मजबूत करना चाहती है। मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ ने तो यहां तक कहा कि, हम राज ठाकरे की एमएनएस के साथ कैसे हाथ मिलाएँ? यह सवाल न सिर्फ राजनीतिक रणनीति बल्कि वैचारिक असहमति को भी उजागर करता है। यह स्पष्ट है कि मुंबई कांग्रेस अपनी स्थानीय साख और संगठनात्मक शक्ति को पुनर्जीवित करने के लिए गठबंधन की छाया से बाहर आना चाहती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शिक्षा के खर्चे में सरकारी बढ़ोत्तरी जरूरी

शिक्षा पर सरकारी व्यय जीडीपी का केवल 2.9 प्रतिशत है, जबकि विकसित देशों में यह 5 से 6 प्रतिशत तक है। जब शिक्षा ही निवेश नहीं बनेगी, तो विकास का आधार कहाँ से आएगा? समस्या केवल शिक्षक संख्या की नहीं, बल्कि शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण और संसाधनों की भी है।

दुनिया की कई सरकारें अपने यहां शिक्षा पर जीडीपी का अच्छा खासा पैसा खर्च कर रही हैं। जबकि भारत में दसक ओर कोई ध्यान देने वाला नहीं है। पूरी शिक्षा प्रणाली प्राइवेट के हाथों में है। जिससे लोग महंगी पढ़ाई करवाने को मजबूर हैं। भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, पर उसके बचपन की शिक्षा का यह हाल है। शिक्षा पर सरकारी व्यय जीडीपी का केवल 2.9 प्रतिशत है, जबकि विकसित देशों में यह 5 से 6 प्रतिशत तक है। जब शिक्षा ही निवेश नहीं बनेगी, तो विकास का आधार कहाँ से आएगा? समस्या केवल शिक्षक संख्या की नहीं, बल्कि शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण और संसाधनों की भी है। राज्यों में नियुक्ति प्रक्रियाएँ वर्षों तक लटकी रहती हैं, स्थानांतरण नीति अव्यवस्थित है, और जो शिक्षक हैं भी, उन्हें आधुनिक शिक्षा पद्धति, डिजिटल शिक्षण, नवाचार और नैतिक मूल्य आधारित शिक्षण के प्रशिक्षण से वंचित रखा गया है। यह स्थिति उस समय और अधिक विडंबनापूर्ण लगती है जब हम हर मंच पर नया भारत, विकसित भारत और विश्वगुरु भारत के नारे लगाते हैं। शिक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखने की आवश्यकता है। रक्षा और स्वास्थ्य की तरह शिक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित हो, दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों का समुचित समायोजन किया जाए, तकनीक के माध्यम से डिजिटल शिक्षा का विस्तार हो और शिक्षकों को केवल वेतनभोगी कर्मचारी नहीं बल्कि राष्ट्रनिर्माता के रूप में सम्मान मिले। महात्मा गांधी ने कहा था,यदि हमें भारत को पुन: महान बनाना है, तो शिक्षा को पुन: मानवीय बनाना होगा। आज शिक्षा केवल परीक्षा और नौकरी तक सीमित हो गई है, जबकि उसका उद्देश्य चरित्र निर्माण और विवेक जागरण होना चाहिए। यदि 34 लाख बच्चे एकल शिक्षक के भरोसे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। भारत तभी विकसित होगा जब हर बच्चा पढ़ेगा-सिर्फ स्कूल में नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में शिक्षित होगा। अन्यथा, एकल शिक्षक की यह पीड़ा आने वाले भारत की मौन त्रासदी बन जाएगी। शिक्षक दीपक की तरह होते हैं, वे स्वयं जलकर समाज को प्रकाश देते हैं। पर जब दीपक ही अकेला रह जाए, तो अंधकार स्वाभाविक है। अब समय है कि हम इस अंधकार को दूर करने का संकल्प लें, क्योंकि शिक्षा ही राष्ट्र का भविष्य है और शिक्षक उस भविष्य के निर्माता हैं। सोचने वाली बात है कि एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पड़ता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पारंपरिक नौकरियों पर आंच के बावजूद नये अवसर

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने नई पीढ़ी को प्रारंभिक स्तर से ही भविष्य की तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ने की सार्थक पहल की है। इसके मेद्देनजर आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से देशभर के सभी स्कूलों में तीसरी कक्षा से ही एआई पढ़ाने का फैसला किया है। इन दिनों भारत में श्रमशक्ति और रोजगार बाजार, पर आई रिपोर्टों में दो बातें रेखांकित हो रही हैं। एक भारत की नई पीढ़ी के लिए उद्योग-कारोबार की नई जरूरतों और नई डिजिटल अर्थव्यवस्था के तहत एआई की नौकरियों में तेजी से वृद्धि हो रही है। दो, विदेशों में भी भारत की एआई स्किल्स से सुसज्जित प्रतिभाओं के लिए मौके बढ़ रहे हैं। हाल ही में वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर, 2025 में एआई और मशीन लर्निंग दक्षता की नौकरियों में 61 फीसदी की वृद्धि हुई है। इनकी मांग आईटी व गैर आईटी क्षेत्र में भी बढ़ रही है।

भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने राष्ट्रीय, श्रम शक्ति नीति 2025 के मसौदे के तहत स्वीकार किया है कि भारत का श्रम बाजार ढांचागत बदलाव से गुजर रहा है। अब एआई और नए कौशल विकास पर जोर देना जरूरी है। नीति आयोग की रिपोर्ट रोडमैप फॉर जॉब क्रिएशन इन द एआई इकोनॉमी 2025 के मुताबिक एआई के बढ़ते प्रभाव से जहां 2031 तक बड़ी संख्या में पारंपारिक नौकरियां खत्म हो सकती हैं, वहीं एआई से जुड़ी करीब 40 लाख नई नौकरियां निर्मित होते हुए दिखाई देंगी। निस्संदेह इस समय एआई फोकस की वजह से कई कंपनियों में पारंपारिक नौकरियां खत्म होते हुए दिखाई दे रही हैं, लेकिन इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण नौकरियां खत्म नहीं होती, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं। वस्तुत: एआई के आगमन ने नौकरी बाजार में क्रांति ला दी है, नए अवसर और भूमिकाएं पैदा की हैं। एआई का प्रभाव कुछ क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कई उद्योगों और भूमिकाओं को बदल रहा है। भारत की नई पीढ़ी एआई कामों में लगातार अपना योगदान बढ़ा रही है।

ओपन एआई के सीईओ सैम आल्ट मैन के मुताबिक एआई के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। गुगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआई में अपार संभावनाएं हैं। इस

समय भारत में एआई पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से विस्तार कर रहा है। फॉर्च्यून बिजनेस इनसाइट्स के मुताबिक भारत में एआई का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। जहां इस वर्ष 2025 में भारत का एआई बाजार 13.05 अरब डॉलर मूल्य की ऊंचाई पर है, वहीं यह बाजार आकार 2032 में 130.63 अरब डॉलर मूल्य का अनुमानित है। भारत में प्रौद्योगिकी और एआई पारिस्थितिकी तंत्र में 60 लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं। देश में 1,800 से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र हैं, जिनमें 500 से अधिक एआई पर केंद्रित हैं। भारत में लगभग 1.8 लाख स्टार्टअप हैं, और पिछले वर्ष शुरू किए गए नए स्टार्टअप में से लगभग 89 फीसदी ने अपने उत्पादों या सेवाओं में एआई का उपयोग किया है। एआई अपनाने वाले अग्रणी क्षेत्रों में औद्योगिक और ऑटोमोटिव, उपभोक्ता वस्तुएं और खुदरा क्षेत्र, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं तथा बीमा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र शामिल हैं। ये एआई के कुल मूल्य में लगभग 60 प्रतिशत का योगदान करते हैं। आज एआई को लेकर निवेश की वैश्विक होड़ लगी हुई है। हाल ही में 14 अक्टूबर को दुनिया की प्रमुख डिजिटल कंपनी गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने विशाखापट्टनम में एक बड़ा डेटा सेंटर और कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) हब बनाने का ऐलान करते हुए कहा कि उनकी कंपनी अगले पांच साल में यानी 2030 तक भारत में 15 अरब डॉलर का निवेश करेगी। यह भारत में गूगल का अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। निस्संदेह, यह एआई हब भारत के डिजिटल भविष्य में एक माइलस्टोन है। वस्तुत: इस एआई हब से न केवल करीब दो लाख नए रोजगार मौके तैयार होंगे, बल्कि यह टेक इनोवेशन को बढ़ावा देने में भी मदद करेगा। एआई स्किल्स से प्रशिक्षित भारतीय युवाओं के लिए विदशों में भी मौके बढ़ रहे हैं।

कई देशों में जन्म दर गिर चुकी है और वृद्ध जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। हाल ही में बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया कि 2030 तक वैश्विक स्तर पर 4.5 से 5 करोड़ श्रमिकों की कमी हो जाएगी। ऐसे में 'ग्लोबल एक्सेस टू टैलेंट फ्राम इंडिया फाउंडेशन' का मानना है कि भारत को केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दुनिया के लिए भी उच्च कौशल से प्रशिक्षित कार्यबल तैयार करना होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत सरकार अब बड़े पैमाने पर श्रम बल को विदेशों में रोजगार दिलाने की दिशा में कदम उठा रही है।

शेख हसीना को दी गयी सजा के निहितार्थ

आनंद कुमार

शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया हालिया फैसला न केवल बांग्लादेश की राजनीति के इतिहास में एक असाधारण क्षण है, बल्कि यह दर्शाता है कि न्याय के नाम पर व्यापक राजनीतिक सफाया किया जा रहा है। बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आइसीटी) द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अनुपस्थिति में मृत्युदंड सुनाया जाना इस दिशा में सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है। अवामी लीग देश की धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक धारा, मुक्ति संग्राम की विरासत और लोकतांत्रिक मूल्यों की वाहक रही है। पर अंतरिम सरकार के मुखिया प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में दिये गये फैसले से प्रतीत होता है कि यह केवल हसीना को दंडित करने का प्रयास नहीं, बल्कि अवामी लीग और 1971 की विचारधारा की जड़ों को उखाड़ फेंकने की संगठित कोशिश है। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से ही यूनुस का रुख यह संकेत देता रहा कि उनकी योजनाएं एक अंतरिम प्रशासन तक सीमित नहीं हैं।

देश में लौटते ही उन्होंने सत्ता पर तेजी से पकड़ बनायी और उन राजनीतिक शक्तियों के साथ समीकरण स्थापित किये, जो ऐतिहासिक रूप से 1971 के मुक्ति संग्राम की भावना के विरोध में रहे हैं। इस दौरान हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों की अनेक घटनाएं सामने आयीं। लेकिन इनकी गंभीरता को स्वीकार करने और अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय यूनुस ने इन्हें अवामी लीग के समर्थकों की हरकत करार देकर खारिज कर दिया। उनके इस रवैये ने संकेत दिया कि अंतरिम शासन उन तत्वों से दूर नहीं, जो मुक्ति संग्राम विरोधी राजनीति को पुनर्जीवित करना चाहते हैं। यूनुस ने प्रारंभ से ही स्पष्ट कर दिया था कि वह शेख हसीना को हर हाल में अभियोजित करेंगे। आलोचकों का मानना है कि यह प्रक्रिया राजनीतिक प्रतिशोध और व्यक्तिगत शत्रुता से प्रेरित है, खासकर इसलिए क्योंकि हसीना के कार्यकाल में यूनुस को कई कानूनी मामलों का सामना करना पड़ा था।

न्यायाधिकरण की पूरी प्रक्रिया एक निर्वाचित सरकार के अभाव में, भय और दमन के वातावरण में और विपक्षी राजनीति पर सख्त नियंत्रण की स्थितियों में चली। शेख हसीना के भारत में शरण लेने के बाद उन्हें अनुपस्थिति में दोषी ठहराना भी इस आशंका को बढ़ाता है कि यह न्यायिक प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं थी। इसके समानांतर अवामी लीग की विरासत को प्रतीकात्मक रूप से मिटाने की कोशिशें भी चलती रहीं। बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमाएं तोड़ी गयीं और ढाका के धानमंडी स्थित उनके ऐतिहासिक निवास को- जो बांग्लादेश के राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण स्मृतियों में से एक था- ध्वस्त कर दिया गया। यह स्पष्ट हो गया है कि वर्तमान शासन सिर्फ अस्थायी व्यवस्था नहीं, बल्कि एक वैचारिक परियोजना है, जो बांग्लादेश की धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक पहचान को बदलने का उद्देश्य रखती है। यूनुस ने विदेश नीति में भी नाटकीय बदलाव किये हैं।

पाकिस्तान और चीन के प्रति उनका झुकाव भारत के लिए गहरी चिंता का कारण बना हुआ है। हसीना के प्रधानमंत्रीकाल में भारत-बांग्लादेश संबंधों में अभूतपूर्व निकटता आयी थी, जिसने दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार, कनेक्टिविटी और आतंकवाद रोधी सहयोग को मजबूत किया। लेकिन अंतरिम सरकार के रवैये ने न केवल ढाका-दिल्ली के रिश्तों में तनाव बढ़ाया है, बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे को अस्थिर करने की आशंका भी पैदा कर दी है। बढ़ती धार्मिक कट्टरता और अल्पसंख्यकों पर हमलों के बीच यूनुस शासन का पाकिस्तान एवं चीन के साथ बढ़ता समीकरण संकेत देता है कि बांग्लादेश की विदेश नीति का झुकाव उस दिशा में जा रहा है, जो भारत के दीर्घकालिक हितों के खिलाफ है। ऐसे माहौल में ढाका द्वारा शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग ने भारत के लिए जटिल राजनीतिक-कानूनी परिस्थितियां खड़ी कर दी हैं। फैसले के बाद अंतरिम सरकार ने औपचारिक रूप से भारत से आग्रह किया कि वह हसीना को वापस भेजे। पर नयी दिल्ली ने इस पर कोई प्रतिबद्धता व्यक्त नहीं की है। वर्ष 2013 की भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि कहती है कि यदि आरोप राजनीतिक हों या नीयत पर संदेह हो, तो प्रत्यर्पण से इनकार किया जा सकता है। यह ध्यान में रखते हुए, कि अधिकांश अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक इस मामले को राजनीतिक प्रेरणाओं से संचालित मानते हैं, भारत के जल्दबाजी में फैसला लेने की संभावना नहीं है। उन्हें ऐसे समय में सौंपना जब उनका राजनीतिक आधार प्रतिबंधित है, भारत की छवि को क्षति पहुंचा सकता है और बांग्लादेश में भारत विरोधी तत्वों को मजबूत कर सकता है।

बड़ी बात यह है कि अवामी लीग पर चुनाव लड़ने से प्रतिबंध लगा दिया गया है, जबकि फरवरी में चुनाव कराने का दावा किया जा रहा है। यह स्थिति चुनावी प्रक्रिया की वैधता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। भारत लगातार इस बात पर जोर दे रहा है कि चुनाव तभी अर्थपूर्ण होंगे, जब सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की भागीदारी सुनिश्चित हो। बांग्लादेश में लोकतंत्र का भविष्य भारत की दृष्टि से अब हसीना के व्यक्तिगत भविष्य से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यदि अवामी लीग को चुनाव से बाहर रखा जाता है, तो बांग्लादेश गहरे राजनीतिक संकट और अस्थिरता की ओर धकेला जा सकता है। शेख हसीना का कहना है कि 2024 की घटनाएं जनविद्रोह नहीं, सुनियोजित तख्तापलट थीं। छात्रों के प्रारंभिक आक्रोश को कट्टरपंथी तत्वों ने हथिया लिया और आंदोलन को हिंसा की ओर धकेल दिया।

वर्क आउट करते हैं तो लें ये आहार

फिटनेस होगी बेहतर

आज के समय में फिटनेस को लेकर लोगों में काफी जागरूकता बढ़ी है और बड़ी संख्या में लोग जिम या एक्सरसाइज की शुरुआत कर रहे हैं। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि महीनों तक कड़ी मेहनत के बाद भी मनचाहे नतीजे नहीं मिलते। इसकी सबसे बड़ी वजह है आहार में बदलाव न करना। सिर्फ एक्सरसाइज करने से ही शरीर फिट नहीं होता, इसके साथ सही खाना भी उतना ही जरूरी है। एक्सरसाइज और डाइट दोनों एक सिक्के के दो पहलू हैं, जो एक साथ मिलकर ही आपके फिटनेस लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं। यह समझना जरूरी है कि वर्कआउट सिर्फ कैलोरी बर्न करने का तरीका नहीं है, बल्कि यह आपके शरीर की जरूरतों को भी बदल देता है। ऐसे में जो लोग वर्कआउट करते हैं उन्हें अपने खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

शरीर में कार्ब्स का संतुलन बनाएं

जब आप वर्कआउट शुरू करते हैं, तो आपके शरीर को अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है। सही खाने के बिना आप जल्दी थक जाएंगे और आपका प्रदर्शन बेहतर नहीं हो पाएगा। व्यायाम करने से पहले शरीर को कार्बोहाइड्रेट की जरूरत होती है ताकि वह ऊर्जा का सही इस्तेमाल कर सके। यह कार्ब्स आपके शरीर के लिए ईंधन का काम करते हैं। अगर आप पर्याप्त मात्रा में कार्बोहाइड्रेट नहीं लेंगे, तो वर्कआउट के दौरान आपको कमजोरी महसूस हो सकती है। इसलिए जो लोग व्यायाम करते हैं, उन्हें अपनी डाइट में दलिया, फल या टोस्ट जैसी चीजें शामिल करना चाहिए ताकि शरीर को सही ईंधन मिल सके।

प्रोटीन की चीजें खाएं

जब हम व्यायाम करते हैं तो उसके बाद शरीर की असली जरूरत प्रोटीन की होती है। जब हम वर्कआउट करते हैं, तो मांसपेशियों के टिशू में छोटे-छोटे होते हैं। इन टिशू की मरम्मत और उन्हें मजबूत बनाने का काम प्रोटीन करता है। पर्याप्त प्रोटीन न मिलने पर मांसपेशियों की रिकवरी धीमी हो जाती है और उनका विकास रुक जाता है। नतीजतन आपको मांसपेशियों में दर्द और कमजोरी महसूस हो सकती है। इसलिए वर्कआउट के बाद प्रोटीन युक्त आहार जैसे अंडे, पनीर, दालें, या प्रोटीन शेक लेना बहुत जरूरी है ताकि मांसपेशियां ठीक से अपना काम कर सकें और मजबूत बन सकें।

क्या करें

वर्कआउट शुरू करने पर आहार में बदलाव करना बेहद जरूरी है। यह सिर्फ वजन कम करने के लिए नहीं, बल्कि आपके शरीर को मजबूत बनाने, मांसपेशियों को ठीक करने और पूरे स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए महत्वपूर्ण है। अगर आप अपने वर्कआउट के अच्छे नतीजे देखना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और हेल्दी फैट का सही संतुलन बनाएं और पर्याप्त पानी पीकर हाइड्रेटेड रहें।

फास्ट फूड न खाएं

कई लोग वजन कम करने के लिए वर्कआउट शुरू करते हैं। लेकिन अगर आप एक्सरसाइज के बाद भी जंक फूड या तला-भुना खाना खाते रहेंगे तो आपकी मेहनत बेकार हो जाएगी। स्वस्थ आहार वजन प्रबंधन के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि यह कैलोरी संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। एक संतुलित डाइट में विटामिन, मिनरल और फाइबर होते हैं, जो न सिर्फ वजन कम करने में मदद करते हैं, बल्कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता और संपूर्ण स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाते हैं।

हंसना मना है

पठान- मैंने आपकी दूकान से मुर्गी दाना खरीदा था। दूकानदार- तो क्या हुआ, कुछ खराबी है क्या? पठान- हां, एक महीना हो गया उसे खेत में बोये हुए, अभी तक मुर्गी नहीं उगी।

सिपाही- घटना स्थल से थानेदार को फोन लगाकर बोला, जनाब यहां एक औरत ने अपने पति को गोली मार दी! थानेदार - क्यों? सिपाही- क्योंकि उसका पति पोछा लगे हुए गीले फर्श पर चलने लगा था! थानेदार- तुमने गिरफ्तार कर लिया उसको! सिपाही - नहीं साहब, पोछा अभी सूखा नहीं है!

एक मुर्गी के बच्चे ने अपनी मां से पूछा? मां इंसान पैदा होते ही अपना नाम रख लेते है, हमलोग अपना नाम क्यों नहीं रखते, मां ने कहां-बेटा, अपनी बिरादरी में नाम मरने के बाद रखा जाता है! चिकेन टिक्का, चिकेन चिली, चिकेन तंदूरी, चिकेन मलाई, चिकेन कढ़ाई..

लड़का- तुम लड़कियां विदाई के टाइम इतना रोती क्यों हो? लड़की - जब तू जाएगा ना, बिना तनख्वाह के दूसरे के घर का काम करने तो तू भी रोयेगा।

कहानी | लकड़हारा और सुनहरी कुल्हाड़ी

एक नगर में कुसम नाम का एक लकड़हारा रहता था। वो रोज जंगल लकड़ी काटने के लिए जाता और उन्हें बेचकर अपने लिए खाना खरीद लेता था। एक दिन वह नदी के बगल में लगे पेड़ की टहनियों को काटने के लिए चढ़ा। तभी कुल्हाड़ी नीचे गिर गई। लकड़हारा अपनी कुल्हाड़ी को ढूंढने लगा। उसे लगा था कि नदी के आसपास उसकी कुल्हाड़ी गिरी होगी और ढूंढने पर मिल जाएगी। लेकिन कुल्हाड़ी नदी में जा गिरी थी। लकड़हारा अपनी कुल्हाड़ी ढूंढता रहा, लेकिन जब कुल्हाड़ी नहीं मिली। उसके पास इतने पैसे भी नहीं हैं कि वो नई कुल्हाड़ी खरीद सके। अब वो नदी किनारे बैठे-बैठे रोने लगा। रोने की आवाज सुनकर वहां नदी देवता आ गए। उन्होंने पूछा, 'बेटा! क्या हो गया। लकड़हारे ने उन्हें अपनी कुल्हाड़ी गिरने की कहानी सुना दी। देवता ने कुल्हाड़ी को ढूंढने में मदद करने की बात कही और वहां से चले गए। कुछ देर बाद नदी के देवता ने कहा कि मैं तुम्हारी कुल्हाड़ी लेकर आ गया हूं। देवता की बातें सुनकर लकड़हारे के चेहरे पर मुस्कान आ गई। दुखी मन से लकड़हारे ने कहा कि यह सुनहरी रंग की कुल्हाड़ी मेरी तो बिल्कुल भी नहीं है। लकड़हारे की बात सुनकर नदी के देवता दोबारा से गायब हो गए। देवता दोबारा नदी से बाहर निकले। इस बार उनके हाथों में चांदी की कुल्हाड़ी थी। उसने कहा कि ये भी मेरी कुल्हाड़ी नहीं है। इस बार भी लकड़हारे की बात सुनकर नदी के देवता फिर वहां से चले गए। पानी में गए भगवान इस बार काफी देर बाद बाहर आए। अब देवता को देखते ही लकड़हारे के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान थी। उसने नदी के देव से कहा कि इस बार आपके हाथ में लोहे की कुल्हाड़ी है और लग रहा है कि ये मेरी ही कुल्हाड़ी है। ऐसी ही कुल्हाड़ी पेट काटते समय मेरे हाथ से नीचे गिर गई थी। आप ये कुल्हाड़ी मुझे दे दीजिए और दूसरी कुल्हाड़ियों को उनके असली मालिक तक पहुंचा दीजिए। लकड़हारे की इतनी ईमानदारी और निष्पाप मन को देखकर नदी के देवता को काफी अच्छा लगा। उन्होंने लकड़हारे से कहा कि तुम्हारे मन में बिल्कुल भी लालच नहीं है। तुम्हारी जगह कोई और होता, तो सोने की कुल्हाड़ी झट से ले लेता, लेकिन तुमने ऐसा बिल्कुल भी नहीं किया। चांदी की कुल्हाड़ी को भी तुमने लेने से इनकार कर दिया। तुम्हें सिर्फ अपनी लोहे की ही कुल्हाड़ी चाहिए थी। तुम्हारे इतने पवित्र और सच्चे मन से मैं काफी प्रभावित हूं। मैं तुम्हें उपहार में सोने और चांदी दोनों की ही कुल्हाड़ी देना चाहता हूं। तुम अपनी लोहे की कुल्हाड़ी के साथ इन्हें भी अपने पास अपनी ईमानदारी के तोहफे के तौर पर रख लो।

7 अंतर खोजें

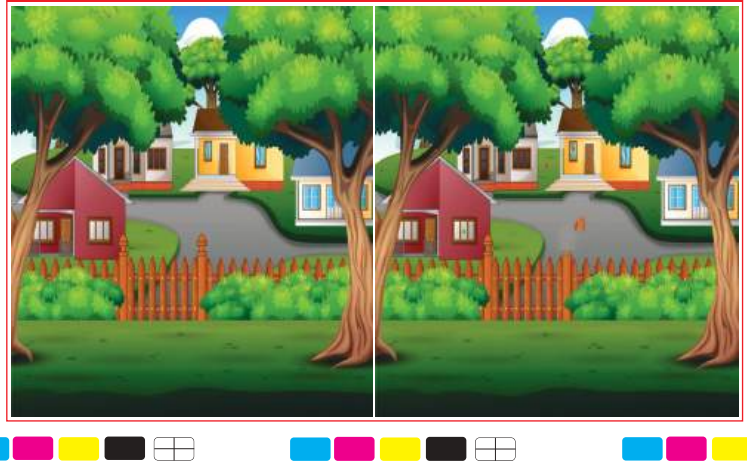

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष भागदौड़ अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बुरी खबर मिल सकती है।

वृषभ मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा।

कर्क बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

सिंह दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कन्या यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी।

तुला सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है।

मकर यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। झंझटों में न पड़ें।

कुम्भ ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। विवेक से कार्य करें।

मीन पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

निर्माता की कुर्सी पर बैठे कालीन भैया लेकर आ रहे हैं जबरदस्त वेब सीरीज

बॉलीवुड | गपशप

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता एक्टर पंकज त्रिपाठी अब अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़ चले हैं। वेब सीरीज के जरिए वे बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू कर रहे हैं। उनकी पहली सीरीज का नाम है, परफेक्ट फैमिली। यह आठ एपिसोड की ड्रामा सीरीज है। परफेक्ट फैमिली को कब और कहां रिलीज किया जाएगा?

पकंज त्रिपाठी की डेब्यू सीरीज सीधे यूट्यूब पर रिलीज होगी। इस प्लेटफॉर्म पर सीरीज को पेड मॉडल के तहत रिलीज किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि जेएआर पिक्चर्स के अजय राय और मोहित छाबड़ा द्वारा निर्मित तथा पलक भांबरी द्वारा क्रिएट इस सीरीज का प्रीमियर 27 नवंबर को जेएआर सीरीज यूट्यूब चैनल पर होगा।

मेकर्स के मुताबिक, सीरीज परफेक्ट फैमिली को भारत के विकसित होते डिजिटल इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में पेश किया गया है। सीरीज के पहले दो एपिसोड मुफ्त उपलब्ध रहेंगे, वहीं दर्शक 59 रुपये का भुगतान करके बाकी एपिसोड देख सकते हैं। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया है। इसमें गुलशन देवैया, नेहा धूपिया, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और अन्य कलाकार शामिल हैं।

परफेक्ट फैमिली एक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है, जो परिवार के ईर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज को लेकर पकंज त्रिपाठी ने कहा कि पारंपरिक रिलीज फॉर्मेट को चुनौती देने वाले प्रोजेक्ट के साथ पहली बार निर्माता बनना जरूरी लगा। उन्होंने आगे कहा, परफेक्ट फैमिली मेरे दिल के बेहद करीब है। दुनियाभर के परिवार इस शो में अपना एक हिस्सा देखेंगे। एक्टर ने आगे कहा, यूट्यूब का पेड मॉडल भारतीय क्रिएटर्स के लिए एक बिल्कुल नया रास्ता खोलता है। इस सीरीज की कहानी कर्करिया परिवार और उनके बेटे दानी की है।

मिजेस देशपांडे से धक-धक गर्ल का खौफनाक लुक रिलीज

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित इन दिनों अपने आगामी शो 'मिसेज देशपांडे' को लेकर चर्चाओं में हैं। माधुरी इस शो में एक अलग और दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी। आज शो से माधुरी का फर्स्ट लुक सामने आया है। इसके सामने आने के बाद फैंस इस शो के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं।

जारी हुए इस फर्स्ट लुक में माधुरी अपना मेकअप और गहने उतारती हुई दिखाई दे रही हैं। अगले ही फ्रेम में उनका एक कच्चा, अनफिल्टर्ड रूप सामने आ रहा है। अगले शॉट से संकेत मिलता है कि कुछ गंभीर हुआ है क्योंकि वह सलाखों के पीछे दिखाई दे रही हैं। हालांकि, अब तक मेकर्स ने शो के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया है। लेकिन पहला लुक माधुरी के प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए काफी है। इस फर्स्ट लुक को

शेयर करते हुए हॉटस्टार ने कैप्शन में लिखा, 'एक ऐसा मोड़ जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी।'

अपने पहले लुक में ही माधुरी के अलग-अलग एक्सप्रेशन देखने को मिल रहे हैं। पहली झलक को देखकर ऐसी उम्मीद की जा रही है कि माधुरी इंटेंस किरदार में नजर आएंगी। बात करें शो की तो नागेश कुकुनूर द्वारा निर्देशित इस शो को अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने कुकुनूर मूवीज के सहयोग से निर्मित किया है। हालांकि,अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

माधुरी दीक्षित हाल ही में कनाडा, टोरंटो, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, ह्यूस्टन, शिकागो और बोस्टन सहित 6 शहरों में फैले एक वर्ल्ड टूर पर थीं। यहां कई जगह लेट होने की वजह से उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था।

बॉलीवुड | मन की बात

उस्ताद भगत सिंह की स्क्रिप्ट बिना पढ़े ही मैंने फिल्म साइन कर दिया था : राशि

राशि खन्ना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 120 बहादुर को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की भूमिकाएं निभाई हैं लेकिन कोई ऐसा प्रोजेक्ट नहीं था, जिसकी स्क्रिप्ट पढ़े बिना उन्होंने साइन किया हो। हालांकि उन्होंने बताया कि तेलुगु फिल्म उस्ताद भगत सिंह की स्क्रिप्ट सुने बिना ही इसे साइन किया। एक इंटरव्यू में राशि खन्ना ने फिल्म उस्ताद भगत सिंह के बारे में कई बातें बताई हैं। उन्होंने अपने सह-कलाकार पवन कल्याण की भी तारीफ की है। अपनी अगली फिल्म उस्ताद भगत सिंह में काम करने के बारे में पूछे जाने पर, राशि ने बताया यह एकमात्र ऐसी फिल्म है जिसे मैंने बिना स्क्रिप्ट सुने साइन कर लिया। मैंने हां कह दिया क्योंकि यह पवन कल्याण की फिल्म है। मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी क्योंकि उनके पास स्टारडम है। मुझे पता है कि यह उनकी फिल्म है और मैं इसका हिस्सा हूं। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। कभी-कभी आप ऐसी फिल्में मशहूर होने के लिए करते हैं। पवन कल्याण के बारे में बात करते हुए राशि ने कहा मैं इस चीज को बहुत पसंद करती हूं कि वह महिलाओं के प्रति सम्मान रखते हैं। दूसरी बात यह है कि आम लोगों को भी वह बहुत प्रेम करते हैं। इन सबके अलावा वह एक बहुत अच्छे अभिनेता हैं। राशि ने आगे बताया उनकी कॉमिक टाइमिंग शानदार है। मैंने सेट पर ऐसी छोटी-छोटी चीजें देखीं, जिनसे मैं हैरान हो गई। मुझे नहीं लगता कि उन्हें पता है कि वो कितने अच्छे हैं। ये पहली बार था जब मैं किसी सेट पर किसी स्टार से इतना प्रभावित हुई। आपको बता दें कि राशि खन्ना अपकमिंग तेलुगु फिल्म उस्ताद भगत सिंह में पवन कल्याण के साथ नजर आने वाली हैं। वह 21 नवंबर को रिलीज होने वाली फिल्म 120 बहादुर में फरहान अख्तर के साथ नजर आने वाली हैं।

भारत की वो जगहें, जहां भारतीयों की एंट्री पर है रोक, अंदर घुसना भी है मना!

रेड लॉलीपॉप हॉस्टल, चेन्नई: ये एक इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का होटल है, जहां भारत के यात्रियों का ठहरना मना है। चेन्नई शहर के बीचोबीच स्थित इस हॉस्टल में सिर्फ पासपोर्ट दिखाने के बाद चेक इन मिलता है। इस हॉस्टल में नो इंडियन पॉलिसी चलती है। हालांकि, जिन भारतीयों के पास फॉरेन पासपोर्ट होता है, वो यहां स्टे कर सकते हैं।

फ्री कसोल कैफे, कसोल: हिमाचल के कुल्लू जिले में बने इस कैफे में भारतीयों का जाना मना है। इस कैफे में इजरायली लोगों की धौंस है। भारत के लोगों को यहां मेन्यू तक नहीं दिया जाता है। जब मैनेजर ने एक भारतीय को मेन्यू नहीं दिया था, तब खूब हंगामा मचा था। तभी ये से कैफे चर्चा में आया। **गोवा के कुछ बीचेस:** वैसे तो गोवा में कई बीच हैं। यहां आकर आप रिलैक्स कर सकते हैं। लेकिन कुछ बीचेस पर भारतीय बैन हैं। दरअसल, इन बीचेस पर फॉरेनर्स आते हैं। विदेशी टूरिस्ट्स आराम से सनबाथ ले पाएं, इस कारण इंडियंस को यहां आने से रोक दिया जाता है। इसमें अंजुना बीच कॉमन है। **पुडुचेरी के कुछ बीचेस:** गोवा की ही तरह यहां भी कुछ बीचेस पर भारतीयों का जाना मना है। यहां के रेस्त्रां आदि में भी सिर्फ विदेशियों को सर्व किया जाता है। **उनो-इन होटल, बेंगलुरु:** 2014 में इस जगह को बंद कर दिया गया था। लेकिन उसके पहले इस होटल में सिर्फ जापानी लोगों का स्वागत किया जाता था। भारत के कुछ यात्री जब यहां ठहरने गए तो उन्हें रोक दिया गया। इसके बाद होटल पर केस दर्ज किया गया और आखिरकार 2014 में इसे बंद कर दिया गया। **लक्षद्वीप के कुछ द्वीप :** इन आइलैंड्स पर ना सिर्फ भारतीय बल्कि विदेशियों को भी जाने के लिए परमिट लेना पड़ता है। हालांकि, कुछ में विदेशी आसानी से चले जाते हैं। इसमें अगत्ती, बंगरम और कदमत शामिल है। **ब्रॉडलैंड्स होटल, चेन्नई :** ये होटल 2010 में चर्चा में आया था जब इसने एक भारतीय परिवार को स्टे नहीं करने दिया था। होटल पॉलिसी के मुताबिक, ठहरने वाले परिवार में किसी एक के पास फॉरेन पासपोर्ट होना अनिवार्य है।

अजब-गजब | इस मेढक के सामने आते ही कांप जाते हैं शिकारी

ये मेढक शरीर फाड़कर निकालता है घातक हथियार

प्रकृति ने जीवों को बचाव के लिए अनेक अद्भुत क्षमताएं दी हैं, जिनके बारे में जानकर वैज्ञानिक भी हैरान रह जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही विचित्र मेंढक के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अफ्रीका में पाया जाता है। इस मेंढक को हेयरी फ्रॉग या 'वूल्वरिन फ्रॉग' के नाम से भी जाना जाता है, जो खतरा महसूस होते ही अपने ही शरीर की हड्डियों को तोड़कर एक घातक हथियार निकालता है, जिससे शिकारी भी थर-थर कांप उठते हैं। यह हथियार कुछ और नहीं, बल्कि उसके नुकीले पंजे होते हैं। इस मेंढक की यह अविश्वसनीय क्षमता वैज्ञानिक जगत में लंबे समय से एक पहेली बनी हुई है और यह साबित करती है कि जीवन बचाने के लिए जीव किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह मेंढक वैज्ञानिक रूप से ट्राइकोबैट्राचस रोबस्टस कहलाता है।

इस प्रजाति के नर मेंढकों के शरीर के किनारों और पिछली टांगों पर पतले बाल जैसे त्वचा के धागे उगते हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह अनोखी क्षमता मेंढकों को अधिक ऑक्सीजन सोखने में मदद करती है, खासकर जब नर मेंढक पानी में अंडों की रखवाली कर रहा होता है। लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात उनका असामान्य आत्मरक्षा तंत्र है, जो उन्हें अपनी पैर की हड्डियों को तोड़कर नुकीले पंजे में बदलने और त्वचा को चीरकर बाहर निकालने की अनुमति देता है।

1900 के दशक की शुरुआत में वैज्ञानिकों ने पहली बार देखा था कि इन मेंढकों में पंजे हैं, जो उभयचरों के लिए एक अत्यंत दुर्लभ विशेषता है। फिर 2000 के दशक की शुरुआत तक शोधकर्ताओं ने पता नहीं लगाया था कि ये असल में केराटिन से बने पंजे नहीं हैं, बल्कि विकृत हड्डियां हैं। यही वो हड्डियां हैं जिन्हें मेंढक खुद ही तोड़कर अंतिम रक्षा तंत्र के रूप में इस्तेमाल करता है।

कैमरून के शिकारी इन मेंढकों के इन नुकीले हथियारों से अच्छी तरह परिचित थे और उनसे घायल होने से बचने के लिए उन्हें पकड़ते समय भाले या चाकुओं का उपयोग करते थे। 2008 के एक रिसर्च पेपर ने पुराने रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए बताया कि मेंढक के पंजे हमलावरों और इंसानों को गहरे घाव दे सकते हैं, जिसमें हड्डियां तक दिखने लग जाती हैं। इसी डर की वजह से इन मेंढकों के सामने आते ही शिकारी भी कांप उठते हैं और उन्हें फंसाने के लिए सीधे हाथ का इस्तेमाल करने की बजाय हथियारों का सहारा लेते हैं। इससे पता चलता है कि यह छोटा सा जीव कितना खतरनाक हो सकता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि इस मेंढक के नुकीले पंजे को सक्रिय करने का यह तंत्र पशु जगत में सबसे अनोखा है। वैज्ञानिकों ने पाया कि हर हड्डी का पंजा मेंढक के पैर की उंगली के सिरे से परे ऊतक में स्थित एक गांठ से कोलेजन के मजबूत रेशों से जुड़ा होता है।

सवाल यह उठता है कि क्या यह मेंढक खुद की हड्डियों को तोड़कर मर नहीं जाता? वैज्ञानिक मानते हैं कि ऐसा नहीं होता। यह अद्भुत पुनर्जीवित होने की क्षमता ही है, जो इस असामान्य आत्मरक्षा तंत्र को मेंढक को कोई गंभीर नुकसान पहुंचाए बिना काम करने देती है। हालांकि, पंजे को वापस खींचने का स्पष्ट तंत्र अभी तक देखा नहीं गया है, लेकिन कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि टूटे हुए संयोजी ऊतक के फिर से ठीक होने पर हेयरी मेंढक के पंजे निष्क्रिय रूप से बाद में वापस अंदर चले जाते हैं। यह क्षमता इसे बार-बार इस खतरनाक बचाव तकनीक का उपयोग करने की अनुमति देती है। ट्राइकोबैट्राचस रोबस्टस मेंढक मध्य अफ्रीकी देशों जैसे कैमरून, कांगो, नाइजीरिया, गैबॉन, अंगोला और इक्वेटोरियल गिनी में पाए जाते हैं।

रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

अमेठी से प्रतापगढ़ की यात्रा के दौरान लोगों ने जगह-जगह आप नेता का किया स्वागत

» बेरोजगारी के दानव का अंत करना होगा : संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ/प्रतापगढ़। रोज़गार दो-सामाजिक न्याय दो पदयात्रा आठवें दिन अमेठी में जबरदस्त जनसमर्थन के साथ आगे बढ़ी। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह की अगुवाई में पदयात्रा सुबह 10 बजे त्रिसुंडी स्थित श्याम वाटिका से शुरू हुई और छीड़ा होते हुए प्रतापगढ़ जिले की ओर बढ़ी। हरिहर मंदिर, कोहोर बाज़ार, मकूनपुर, चिलबिला और सदर बाज़ार सहित पूरे मार्ग में लोगों ने जोरदार स्वागत किया और पदयात्रा को जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला। पूरे रास्ते लोगों ने भारी उत्साह के साथ पदयात्रा में अपनी सहभागिता दर्ज की।

युवाओं, महिलाओं, किसान, बुनकर, मज़दूर, छोटे कारोबारी, आशा बहुएं और आंगनवाड़ी शिक्षा अनुदेशक, शिक्षा मित्र और पुरानी पेंशन की मांग करने वाले कर्मचारियों ने इस पदयात्रा में शामिल होकर संजय सिंह के आह्वान को मजबूत समर्थन दिया। संजय सिंह ने स्पष्ट कहा कि उत्तर प्रदेश में नफ़रत और बांटों की राजनीति करने वाली सरकार अब नहीं चलने दी जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि नफ़रत की राजनीति का पूरी तरह सफाया होना चाहिए, ताकि लोग अमन-चैन, भाईचारे और सम्मान के साथ जी सकें। संजय सिंह ने कहा कि यह देश किसी बाबा के फरमान से नहीं, बल्कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान से चलेगा, और उसी संविधान की रक्षा के लिए यह संघर्ष जारी है।

आज प्रयागराज की ओर रवाना होगी यात्रा

दिनभर चली पदयात्रा के बाद संजय सिंह शाम को प्रतापगढ़ के आशीर्वाद बैंकेट पहुंचे, जहां अपने साथियों के साथ रात्रि विश्राम करेंगे। रोज़गार दो सामाजिक न्याय दो पदयात्रा गुरुवार को आशीर्वाद बैंकेट से प्रारंभ होकर प्रतापगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से आगे बढ़ते हुए प्रयागराज की ओर रवाना होगी।

शोषित और वंचित समाज पर अन्याय लगातार बढ़ा: संजय

संजय सिंह ने पदयात्रा के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश में दलित, पिछड़ा, शोषित और वंचित समाज पर अन्याय लगातार बढ़ा है और यह सरकार की गलत नीतियों का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि जातीय आधार पर भेदभाव, अत्याचार और उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं, जबकि सरकार संवेदनहीन बनी हुई है। उन्होंने कहा कि रोज़गार दो सामाजिक न्याय दो पदयात्रा का एक बड़ा उद्देश्य इन्हीं वंचित तबकों को न्याय दिलाना और संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों की रक्षा करना है, ताकि उत्तर प्रदेश में कोई भी नागरिक अपनी जाति या आर्थिक स्थिति के कारण पीछे न छूटे।

नफरत और बांटों की राजनीति करने वाली सरकार अब नहीं चलने दी जाएगी

यूपी में पूरी व्यवस्था बदहाल : संजय सिंह

सदर बाज़ार में जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह यात्रा प्रदेश में रोजगार संकट और दलित पिछड़े शोषित और वंचित समाज पर हो रहे अन्याय के खिलाफ निकाली गई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज बेरोज़गारी के ऐसे दानव से जूझ रहा है जो युवाओं का भविष्य लगातार निगल रहा है, और अब समय आ गया है कि इस दानव का अंत किया जाए। उन्होंने तीखे शब्दों में आरोप लगाया कि राज्य में पूरी की पूरी व्यवस्था, पेपर लीक सरकार में बदल चुकी है, जहाँ एक के बाद एक परीक्षा रद्द होने से मेहनती युवाओं का जीवन अंधकार में धकेला जा रहा है। संजय सिंह ने कहा कि युवाओं को सम्मानजनक रोज़गार देना ही किसी भी संवेदनशील सरकार का पहला कर्तव्य है, और आम आदमी पार्टी इस संघर्ष को अंतिम दम तक जारी रखेगी, ताकि प्रदेश के नौजवानों को उनके अधिकार और सुरक्षित भविष्य की गारंटी मिल सके।

केरल के सीएम विजयन की हत्या की धमकी पर मचा हड़कंप

» नन ने डाली सनसनीखेज फेसबुक पोस्ट, जांच जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को एक फेसबुक पोस्ट में जान से मारने की धमकी ने एक बड़े विवाद को हवा दे दी है। सेल्टन डिसूजा जो एक वकील भी हैं ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के लिए प्रचार के दौरान किसी को मुख्यमंत्री विजयन की हत्या कर देनी चाहिए। पोस्ट में कहा कि कम से कम चुनाव प्रचार के दौरान तो किसी को बम फेंककर उन्हें मार देना चाहिए। जिस दुनिया ने राजीव गांधी जैसे नेक इंसान को मार डाला, वो ये भी कर सकती है। मदर ऑफ कार्मेल की धर्मसभा ने कहा कि डिसूजा की सदस्यता 2009 में उचित विहित प्रक्रियाओं के बाद आधिकारिक रूप से समाप्त कर दी गई थी और इसलिए उन्हें धर्मसभा की धार्मिक पोशाक पहनने की कानूनी अनुमति नहीं है।

रिपोर्टों से पता चलता है कि वह ट्वेंटी20 राजनीतिक दल की समर्थक हैं। इस बीच, केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने टीना जोस की फेसबुक टिप्पणी पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान अस्वीकार्य है, क्योंकि यह सीधे तौर पर किसी व्यक्ति की जान को खतरा पहुँचाता है। जून की शुरुआत में, पुलिस ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। यह धमकी कथित तौर पर गाजियाबाद पुलिस नियंत्रण कक्ष को एक कॉल के ज़रिए दी गई थी, जिसने बाद में दिल्ली पुलिस को इसकी सूचना दी। कॉल करने वाले की पहचान गाजियाबाद निवासी श्लोक तिवारी के रूप में हुई है, जो एक स्थानीय अदालत में डीड राइटर के रूप में काम करता है और कानून में स्नातक की पढ़ाई भी कर रहा है।

कई राज्यों के हस्तशिल्प से जुड़ेगी राजधानी

» आशियाना में हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव का भव्य आगाज

» युवा उत्सव मनायेगा सरोजनीनगर : डॉ. राजेश्वर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्मृति उपवन, आशियाना में बुधवार को 'हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव- 2025' का भव्य आगाज हुआ। सरोजीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने सांस्कृतिक वैभव से परिपूर्ण इस महोत्सव का उद्घाटन किया। यह महोत्सव भारत के 28 राज्यों के उत्कृष्ट एवं विविध हस्तशिल्प उत्पादों का अनूठा प्रदर्शन करेगा, जो लखनऊवासियों को देश की कलात्मक परंपराओं का व्यापक परिचय प्रदान करेगा।

इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि यह अत्यंत भव्य आयोजन हो रहा है। हस्तशिल्प भारत की आत्मा है। देशभर में लगभग 3 करोड़ परिवार इस उद्योग से जुड़े हैं। ऐसे महोत्सव उन्हें पहचान, अवसर और सम्मान देने का बड़ा मंच प्रदान करते हैं। सरोजीनगर के लिए यह गर्व का विषय है कि यहां यह आयोजन निरंतर होता आ रहा है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि लखनऊ अब केवल 'चिकनकारी' तक सीमित न रहे, बल्कि 'हस्तशिल्प राजधानी' के रूप में नई पहचान बनाए। महिला सशक्तिकरण के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि सरोजीनगर में 162 तारा शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं, और उन्हें विशेष हर्ष है कि इन केंद्रों की स्टॉल भी इस महोत्सव में लगाई गई है, जिससे स्थानीय महिलाओं को बड़ा मंच मिल रहा है। हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव आने वाले एक माह से अधिक समय तक कला, संस्कृति, परंपरा और उद्यमशीलता का भव्य संगम प्रस्तुत करेगा।

हनी सिंह के गानों पर झूमेंगे युवा

डॉ. सिंह ने बताया कि महोत्सव को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए 22 नवंबर को 'युवा उत्सव सरोजीनगर' के तहत यो यो हनी सिंह का विशेष लाइव शो आयोजित किया जाएगा, जिसमें 20,000 से अधिक दर्शक मौजूद रहेंगे। यह कार्यक्रम न केवल युवाओं का उत्साह बढ़ाएगा बल्कि युवाओं को भारतीय हस्तशिल्प से जुड़ने के लिए प्रेरित भी करेगा। डॉ. सिंह ने युवा उत्सव सरोजनीनगर की तैयारियों का विस्तृत अवलोकन किया। प्रसिद्ध कलाकार यो यो हनी सिंह के लाइव प्रदर्शन के साथ सरोजीनगर न केवल संगीत की धुनों पर थिरकेगा, बल्कि युवाओं के जोश, सहभागिता और सांस्कृतिक जीवंतता से एक नया इतिहास भी रचेगा।

सरकारी संपत्तियों को बेचना चाहती है मान सरकार : सुखबीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। शिअद नेता सुखवीर सिंह बादल ने कहा कि पंजाब में उद्योगपतियों व बिल्डरों को धमकाकर करोड़ों रुपये वसूले जा रहे हैं। मेरे पास व्यापारियों के करीब 100 एफिडेविट हैं जो आप सरकार से बुरी तरह आहत हैं। सत्ता के आखिरी वर्ष में अब सरकार सरकारी संपत्ति बेचने की तैयारी में है। दिल्ली के व्यापारियों से सौदेबाजी हो चुकी है लेकिन शिअद किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देगा।

अधिकारियों को चाहिए कि सरकार के कहने पर कोई ऐसा फैसला न लें जिससे पंजाब की जनता का नुकसान हो। आप सरकार के सभी फैसलों का शिअद की सरकार बनने पर हिसाब लिया जाएगा। गुनाहगार अधिकारी हों या दिल्ली के व्यापारी, किसी का लिहाज नहीं होगा।

दूसरे टेस्ट में गिल के खेलने पर संशय बरकरार

» 22 नवंबर से खेले जाने वाले मैच के लिए गुवाहाटी पहुंची भारत-अफ्रीका टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले के लिए गुवाहाटी पहुंच गई हैं। अफ्रीका ने कोलकाता के ईडन गार्डेंस में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत को 30 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। भारतीय टीम की नजरें अब 22 नवंबर से बारसापाड़ा क्रिकेट स्टेडियम में होने इस मैच में बराबरी करने पर टिकी होंगी। भारतीय टीम के साथ कप्तान शुभमन गिल भी कोलकाता से गुवाहाटी गए हैं।

गिल को पहली पारी में बल्लेबाजी करते वक्त चोट लग गई थी गिल अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं और उनके दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय है। पूरी संभावना है कि गिल होने वाले अभ्यास सत्रों के दौरान खुद को फिट साबित करने की पूरी कोशिश करेंगे। हालांकि, कप्तान की चोट ने टीम इंडिया की चिंता बढ़ा दी है। वहीं पहले टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों की स्पिनरों को खेलने की कमजोरी का खुलासा हो गया। कोलकाता टेस्ट के बाद ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर एक बड़ा खतरा बन गए हैं, ऐसे में स्पिन का सामना करने में सक्षम दाएं हाथ के बल्लेबाज की टीम को सख्त जरूरत है। मौजूदा कोचिंग स्टाफ और चयन समिति को सरफराज खान, करुण नायर या अभिमन्यु ईश्वरन जैसे खिलाड़ियों पर ज्यादा भरोसा नहीं है, जबकि ये तीनों स्पिन को अच्छी तरह से खेलते हैं। उनका सीधा तर्क यह है कि भले ही साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल दोनों बाएं हाथ के खिलाड़ी हैं, लेकिन किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल करने पर युवा खिलाड़ियों की दबाव झेलने की क्षमता पर विश्वास की कमी का संकेत मिलेगा।

रोहित ने गंवाया वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान

दुबई। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान का ताज गंवा दिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी वनडे में नाबाद शतकीय पारी खेलने के बाद रोहित 50 ओवर के प्रारूप में शीर्ष बल्लेबाज बन गए थे, लेकिन आईसीसी की नवीनतम रैंकिंग में रोहित दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज डेरिल मिचेल वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन की मदद से वनडे में नंबर एक बल्लेबाज बन गए हैं। मिचेल न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज हैं जो वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान तक पहुंचे हैं। मिचेल के वर्तमान में 782 रेटिंग अंक हैं जो रोहित से एक अंक अधिक है। रोहित लगभग तीन हफ्ते तक शीर्ष पर रहे। भारत के शुभमन गिल (चौथे), विराट कोहली (पांचवें) और श्रेयस अय्यर (आठवें) शीर्ष 10 बल्लेबाजों में शामिल हैं।

हम तो नीतीश जी को पीएम बनाना चाहते थे: अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने नीतीश के साथ की पुरानी तस्वीरें कीं साझा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार में नई एनडी सरकार के गठन और मुख्यमंत्री पद की शपथ के बाद विपक्ष की प्रतिक्रि याएं लगातार सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने एक्स पर एक दिलचस्प पोस्ट साझा किया है, जिसने राजनीतिक गलियारों में नई हलचल पैदा कर दी है।

अखिलेश यादव ने वे तस्वीरें साझा कीं, जब इंडिया अलायंस का गठन हो रहा था और नीतीश कुमार उस गठबंधन को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। तस्वीरों के साथ अखिलेश ने लिखा कि उस समय उन्होंने नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद तक पहुंचाने का प्रयास किया था। उन्होंने लिखा- हम तो इन्हें पीएम बनाना चाहते थे, लेकिन नीतीश कुमार सीएम ही रह गए। इस टिप्पणी के साथ अखिलेश ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी। उन्होंने संदेश में लिखा कि बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर नीतीश कुमार को बधाई और आगामी पांच वर्षों के लिए जनहितकारी, सकारात्मक और अपनी मूल समाजवादी विचारधारा पर आधारित स्वतंत्र शासन प्रणाली के लिए शुभकामनाएं। अखिलेश यादव की यह पोस्ट देख विशेषज्ञों का मानना है कि यह सिर्फ बधाई संदेश नहीं, बल्कि एक राजनीतिक कटाक्ष भी है। इंडिया गठबंधन के निर्माण के दौरान नीतीश कुमार को विपक्षी नेताओं के बीच प्रधानमंत्री पद का संभावित चेहरा माना जा रहा था। अखिलेश समेत कई नेताओं ने नीतीश की सक्रिय भूमिका की सराहना भी की थी। लेकिन कुछ महीनों बाद ही नीतीश कुमार ने गठबंधन से नाता तोड़ा और एनडीए में वापस लौट आए. इसके बाद से विपक्ष की ओर से उन पर यू-टर्न राजनीति के आरोप लगते रहे हैं। अखिलेश द्वारा पुरानी तस्वीरों को फिर से सार्वजनिक करना इस बात का संकेत है कि वह नीतीश कुमार द्वारा लगातार बदले गए राजनीतिक रुख को लेकर उन्हें घेरने का प्रयास कर रहे हैं। तस्वीरें याद दिलाती हैं कि कभी नीतीश विपक्ष की एकता के केंद्र थे, लेकिन अब वही नीतीश एनडीए में शामिल होकर मुख्यमंत्री बने हुए हैं। अखिलेश का पीएम बनाना चाहते थे वाला बयान राजनीतिक व्यंग्य की तरह देखा जा रहा है।

समाजवादी विचारधारा को फैलाएंगे

बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर श्री नीतीश कुमार जी को बधाई और आगामी पूरे पाँच सालों के लिए उनकी अपनी मूल समाजवादी विचारधारा पर आधारित स्वतंत्र शासन-प्रणाली चलाने और जनहितकारी सकारात्मक कार्य करने के लिए शुभकामनाएँ!

बंगाल में बीएलओ की मौत पर बवाल

टीएमसी ने आयोग व भाजपा को घेरा, एसआईआर अब जानलेवा बन रहा है : ममता बनर्जी

» बंगाल की सीएम ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बूथ लेवल ऑफिसर शांति मुनि एक्का की मौत पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया, जिन्होंने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के असहनीय दबाव के कारण आत्महत्या कर ली। ममता बनर्जी ने दावा किया कि एसआईआर शुरू होने के बाद से यह 28वीं ऐसी घटना है, जिसमें कई लोग भय, अनिश्चितता, तनाव और कार्यभार के कारण अपनी जान दे चुके हैं।

बेहद सदमे और दु:ख में हूँ। आज फिर, हमने जलपाईगुड़ी के माल में एक बूथ लेवल ऑफिसर - श्रीमती शांति मुनि एक्का, एक आदिवासी महिला, एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को खो दिया, जिन्होंने चल रहे स्क्रूकार्य के असहनीय दबाव में अपनी जान ले ली।

इससे पहले कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने भी केरल के कन्नूर में एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की कथित आत्महत्या पर दुख और हैरानी व्यक्त की थी। उन्होंने दावा किया था कि यह घटना मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्य में बीएलओ पर पड़ रहे भारी दबाव के कारण हुई है। माथेर ने कहा, यह बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि चुनाव प्रणाली और चुनाव आयोग बीएलओ पर पड़ रहे दबाव को नहीं समझते। यह सिर्फ़ एक मामला नहीं है... हम एसआईआर को इतनी जल्दबाजी में किए जाने के खिलाफ हैं। यह एक उदाहरण है कि कैसे एक व्यवस्था किसी व्यक्ति की जान ले सकती है। यह वास्तव में व्यवस्था द्वारा की गई हत्या है।

एसआईआर होने के बाद से 28 लोग की जान गई

एसआईआर होने के बाद से 28 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं - कुछ डर और अनिश्चितता के कारण, अन्य तनाव और कार्यभार के कारण। तथाकथित भारतीय चुनाव आयोग द्वारा लगाए गए अनियोजित, अथक कार्यभार के कारण ऐसी अनमोल जानें जा रही हैं। एक प्रक्रिया जो पहले 3 साल में पूरी होती थी, अब राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए चुनाव से ठीक पहले 2 महीनों में पूरी की जा रही है, जिससे बीएलओ पर अमानवीय दबाव पड़ रहा है। मैं ईसीआई से आग्रह करता हूँ कि वह विवेक से काम ले और और जानें जाने से पहले इस अनियोजित अभियान को तुरंत रोके।

तुरंत रोकें एसआईआर

बंगाल सीएम ने कहा कि पहले जो काम तीन साल में होता था, उसे चुनाव से ठीक पहले दो महीने में पूरा करने का आदेश देकर राजनीतिक आकाओं को खुश किया जा रहा है। इसका नतीजा यह हो रहा है कि बीएलओ पर अमानवीय बोझ पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने भारतीय निर्वाचन आयोग से एसआईआर रोकने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैं ईसीआई से अपील करती हूं कि समझदारी दिखाएं और यह बिना प्लान वाला काम तुरंत रोकें, वरना और जानें जाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने गवर्नरों को दी राहत

» बोली शीर्ष अदालत- बिलों को मंजूरी देने के लिए टाइमलाइन तय नहीं की जा सकती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को प्रेसिडेंशियल रेफरेंस मामले पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए राज्यपालों की विधायी शक्तियों और उनकी सीमाओं को स्पष्ट कर दिया. शीर्ष अदालत ने साफ कहा कि किसी भी राज्यपाल के पास यह अधिकार नहीं कि वे किसी विधेयक को रोककर रखें।

चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने कहा कि राज्यपाल के पास बिल पर निर्णय लेने के केवल तीन ही संवैधानिक विकल्प हैं। 1. मंजूरी देना 2. राष्ट्रपति के पास भेजना,3. विधानसभा को वापस भेजना। कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल किसी बिल को बिना निर्णय के लंबित नहीं रख सकते। ऐसा करने का कोई संवैधानिक आधार नहीं है। राज्यपाल को निर्णय देने की समय-सीमा तय करने की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। सीजेआई गवई ने कहा, अनुच्छेद 200 और 201 में लचीलापन संवैधानिक रूप से डिज़ाइन किया गया है. इसलिए अदालत या विधानमंडल किसी निश्चित टाइमलाइन को राज्यपाल या राष्ट्रपति पर थोप नहीं सकते।

नेता प्रतिपक्ष को सेना के खिलाफ टिप्पणी मामले में राहत

» न्यायालय ने राहुल के खिलाफ अधीनस्थ अदालत की कार्यवाही पर रोक की अवधि बढ़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश की अवधि को बृहस्पतिवार को चार दिसंबर तक बढ़ा दिया।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि स्थगन के लिए एक पत्र दिया गया है। यह पीठ गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने इस मामले में अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 29 मई के आदेश को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को लखनऊ की एक अदालत में लंबित मामले में आगे की कार्यवाही पर सुनवाई की अगली तारीख तक रोक लगा दी थी। पीठ ने गांधी से उनकी कथित टिप्पणी को लेकर पहले कहा था, ''आपको कैसे पता चला कि 2,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है?'' उसने कहा, ''बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।

शर्मनाक: स्कॉर्पियो सवार दबंगों ने युवक को उठाकर बेरहमी से पीटा

पुलिस ने दो आरोपियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखंड इलाके में एक युवक को दबंगों ने स्कॉर्पियो से उठाकर बेरहमी से पीटा। विरोध करने पर वहीं सड़क पर मारकर जबरन गाड़ी में बैठाया गया और कुछ दूरी पर ले जाकर हॉकी व डंडों से हमला किया गया। पीड़ित की तहरीर पर विभूतिखंड थाना पुलिस ने दो आरोपियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एएस हॉस्पिटल के पास गाड़ी रोककर आरोपियों ने शाहिल को पास की गली में लिया, जहां पहले से आलोक सिंह और उसके साथी मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार इनमें सलाउद्दीन नाम का हिस्ट्रीशीटर भी शामिल था, जो आलोक सिंह के लिए काम करता है। मी से पीटा। डंडों, लात-घूंसों से हमला करते हुए आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। एएस हॉस्पिटल पर दलाली और दबंगई के गंभीर आरोप पहले भी सूत्रों के अनुसार एएस हॉस्पिटल का मालिक आलोक सिंह पर पहले भी गंभीर आरोप लगते रहे हैं।बताया जाता है कि राम मनोहर लोहिया अस्पताल, शिशु एवं बाल अस्पताल, सिविल अस्पताल के ट्रामा सेंटर के बाहर उसके दलाल सक्रिय रहते हैं।

घटना आधी रात की चाय पीते समय उठा ले गए

गोमतीनगर के बेहननपुरवा निवासी पीड़ित मोहम्मद शाहिल के अनुसार,17 नवंबर की रात करीब 1: 30 बजे वह लोहिया अस्पताल के गेट नंबर-8 पर स्थित पप्पू चाय के ठेले पर चाय पी रहा था। तभी दो ब्लैक स्कॉर्पियो आकर उसके पास रुकीं। वाहन से अली अपने तीन साथियों के साथ उतरा और बिना किसी बात के गाली-गलौज करते हुए हॉकी व डंडों से हमला शुरू कर दिया। हमला इतना अचानक था कि वह संभल भी नहीं सका। इसके बाद उसे जबरदस्ती स्कॉर्पियो में डालकर पीटते हुए एएस हॉस्पिटल के पास ले जाया गया। घटना में विभूतिखंड पुलिस ने पीड़ित शाहिल की तहरीर पर आलोक सिंह,सलाउद्दीन,के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।